

डॉ. रॉबर्ट यारब्रो, द जोहानिन एपिस्टल्स, सत्र 3 – 3 जॉन: नोट्स टू ए ट्रस्टेड फ्रेंड, गयुस

यह डॉ. रॉबर्ट यारब्रो द्वारा जोहानिन एपिस्टल्स, बैलेंसिंग लाइफ इन क्राइस्ट पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र संख्या 3 है, 3 जॉन, नोट्स टू गयुस, ए ट्रस्टेड फ्रेंड।

जॉन के पत्रों के हमारे निरंतर अध्ययन में आपका स्वागत है, और हम इन व्याख्यानों को जोहानिन एपिस्टल्स, बैलेंसिंग लाइफ इन क्राइस्ट कह रहे हैं।

और अब तक, मैंने वास्तव में इस बारे में बात नहीं की है कि संतुलन कहाँ है, हालाँकि मुझे लगता है कि हम जिस बारे में बात कर रहे हैं वह मसीह में संतुलित जीवन के साथ संगत है। लेकिन एक या दो व्याख्यानों में, मैं उस संतुलन के बारे में बात करूँगा जो मेरे मन में है। लेकिन अभी के लिए, मैं इस व्याख्यान की शुरुआत तीसरे यूहन्ना के बारे में बात करके करना चाहूँगा।

और तीसरा यूहन्ना गयुस को लिखे गए कुछ नोट्स के बराबर है। गयुस वह व्यक्ति है जिसे संबोधित किया गया है। और जब हम तीसरे यूहन्ना को देखते हैं, तो मैं बस हमें याद दिलाना चाहता हूँ कि तीसरा यूहन्ना ईसाई धर्मग्रंथ का हिस्सा है, बाइबल की 66 पुस्तकें, पुराने नियम में 39, नए नियम में 27।

और जब हम तीसरे जॉन जैसी छोटी सी किताब को देखते हैं तो यह हमें यह याद दिलाने में कोई बुराई नहीं है कि बाइबल बड़े पैमाने पर क्या है, ताकि हम इस छोटी सी किताब को रख सकें जिसे चर्च में बहुत से लोगों ने कभी नहीं पढ़ा है, इसकी जगह और इसकी संक्षिप्तता के कारण। लेकिन अगर आप पूरी बाइबल के बारे में सोचते हैं, तो आप पूरी बाइबल को PMEEC, PMEEC अक्षरों के तहत संक्षेप में बता सकते हैं। और पुराना नियम सुसमाचार की तैयारी है।

अब यह उससे कहीं ज़्यादा है। लेकिन यीशु मसीह में इसकी पूर्ति के संदर्भ में, पुराना नियम मसीह के आगमन और उसके उद्धार कार्य की खुशखबरी के लिए तैयारी करता है। चार सुसमाचार सुसमाचार की अभिव्यक्ति हैं।

वे परमेश्वर के पुत्र के आगमन और उसके कार्य को दर्शाते हैं। प्रेरितों के काम सुसमाचार का विस्तार है। यीशु आते हैं, यीशु जीवित रहते हैं, यीशु मरते हैं, यीशु जी उठते हैं, यीशु स्वर्ग जाते हैं, और फिर यीशु का वचन आगे बढ़ता है।

और प्रेरितों के काम की किताब यही कहानी कहती है। और प्रेरितों के काम की किताब खुशखबरी का विस्तार है। फिर हम पत्रियों पर आते हैं।

और यहीं पर हमें तीसरा यूहन्ना मिलता है। यह उन कई पत्रों में से एक है, जिन्हें जब आप एक साथ लेते हैं, तो सुसमाचार को इस अर्थ में समझाते हैं कि यह कैसे जीया जाता है। यदि आपके पास केवल सुसमाचार और प्रेरितों के काम होते, तो इसे कल्पना करना कठिन हो सकता था।

रोमन दुनिया के विभिन्न शहरों में यह कैसे हुआ? लेकिन पत्रों की मदद से, हम कुछ मुद्दों को देखते हैं जो उठे। हम कुछ शहरों को देखते हैं जो प्रभावित हुए। हम देखते हैं कि कैसे विभिन्न प्रेरितिक नेताओं या प्रेरितिक नेताओं के सहयोगियों ने सुसमाचार को पढ़ाया, इसे कैसे जीया गया, कैसे प्राप्त किया गया, इसका विरोध किया गया, इत्यादि।

इसलिए, ये पत्र बहुत महत्वपूर्ण हैं, और तीसरा यूहन्ना उन पत्रों में से एक है। और फिर प्रकाशितवाक्य सुसमाचार की पूर्णता है। यह हमें पहली सदी में हुई घटनाओं के बारे में बताता है।

यह हमें भविष्य में और अनंत काल में होने वाली चीजों के बारे में बताता है। इसलिए संक्षेप में, हम यह याद रखना चाहते हैं कि परमेश्वर का हर वचन दोषरहित है। कुछ अनुवादों में परखा हुआ लिखा है।

और वह उन लोगों के लिए ढाल है जो उसकी शरण लेते हैं। इसलिए तीसरे यूहन्ना के छोटे से अंश में भी, उसके कुछ रहस्यमय संदेश के साथ, हम कह सकते हैं कि वचन दोषरहित है, और जो परमेश्वर हमें वचन देता है, वह उन लोगों के लिए ढाल है जो उसकी शरण लेते हैं। तो आइए हम अपने व्याख्यानो को जारी रखते हुए प्रार्थना के लिए रुकें।

स्वर्गीय पिता, हम आपके वचन के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हम आपको सदियों से इसे सुरक्षित रखने के लिए धन्यवाद देते हैं। हम आपको इसमें मौजूद पूर्णता के लिए धन्यवाद देते हैं, क्योंकि यह आपका वचन है, और आप परिपूर्ण हैं, और आपके सभी तरीके परिपूर्ण हैं।

हम आपकी सुरक्षा के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे लिए एक ढाल साबित होंगे क्योंकि हम आपके वचन के प्रति समर्पित होकर आपकी शरण में आते हैं। हम मसीह के नाम पर प्रार्थना करते हैं, आमीन। बाइबल की व्याख्या करने के बहुत से तरीके हैं, और मैं तीसरे यूहन्ना की व्याख्या बहुत ही सरल तरीके से करने जा रहा हूँ।

यह दो चरणों वाला तरीका है, और अंग्रेजी में, दोनों तरीके शुरू होते हैं, या दोनों चरण F से शुरू होते हैं। पहला है देखना। निरीक्षण करना। देखना कि तब और वहाँ क्या था।

किसी ने जॉन लिखा है। किसी ने इसे बहुत पहले लिखा था। हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं कि वह कौन हो सकता है, कब हो सकता है, क्या अवसर रहा होगा, लेकिन हम उस समय और वहाँ की घटनाओं को देख रहे हैं।

इस व्याख्यान में, मैं पाठ पढ़कर ऐसा करने जा रहा हूँ, और फिर उसके नीचे, मैं वह कहूँगा जो मुझे लगता है कि मैं देखता हूँ, और यह हमें दूसरे चरण की ओर ले जाता है, मान लीजिए। नंबर एक, हम देखते हैं, हम निरीक्षण करते हैं। फिर हम निष्कर्ष बताते हैं जो तब के लिए वफादार हैं और यहीं और अभी के लिए वहाँ।

मैं सभी निष्कर्षों को सूचीबद्ध नहीं करने जा रहा हूँ, क्योंकि यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। मैं केवल कुछ अवलोकन करूँगा कि हमें तीसरे जॉन की पुस्तक से क्या लेना चाहिए। यह इस प्रकार है।

गयुस को बधाई दी गई है, और फिर गयास की प्रशंसा की गई है। गयास एक अच्छा आदमी था, और जॉन उसकी पुष्टि करता है। यहाँ एक बुरा आदमी है, और उसका नाम दियुत्रिफेस है, और जॉन उसके बारे में कुछ कहना चाहता है।

फिर डेमेट्रियस नामक व्यक्ति की अंतिम सलाह और प्रशंसा होती है, और फिर वह अलविदा कहता है। सबसे पहले, अभिवादन। यह स्क्रीन पर पीले रंग में है।

प्रिय गयास को, जिसे मैं सच में प्यार करता हूँ। प्रिय, और मैंने पिछले व्याख्यान में पहले भी कहा है, प्रिय को नज़रअंदाज़ मत करो। यह कोई बेकार शब्द नहीं है।

यह एक ऐसा शब्द है जो लेखक के उस व्यक्ति के प्रति स्नेह को व्यक्त करता है जिसे संबोधित किया जा रहा है। प्रिय, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आपके साथ सब कुछ अच्छा हो और आप स्वस्थ रहें क्योंकि आपकी आत्मा अच्छी है, क्योंकि जब भाई आए और आपकी सच्चाई की गवाही दी, तो मुझे बहुत खुशी हुई, क्योंकि आप वास्तव में सच्चाई में चल रहे हैं।

मुझे इससे ज़्यादा खुशी किसी और चीज़ से नहीं मिलती कि मैं सुनूँ कि मेरे बच्चे सच्चाई में चल रहे हैं। तो यहाँ कुछ टिप्पणियाँ हैं जो मैंने इन शब्दों में देखी हैं। सबसे पहले, ध्यान दें कि यह लेखक, खुद को एल्डर कहता है, और यह एक ऐसा शब्द भी है जिसे पतरस ने 1 पतरस अध्याय 5 पद 1 में खुद पर लागू किया है। वह खुद को एक साथी एल्डर कहता है, और वह एक चर्च में नेताओं को लिख रहा है।

जॉन यहाँ खुद को एक साथी एल्डर नहीं कहता है, लेकिन वह खुद को एक एल्डर भी नहीं कहता है। तो, जाहिर है, प्रेरितों के युग में, प्रेरित खुद को एल्डर या चर्च के नेता कह सकते थे, लेकिन मैं जो बात कहना चाहता हूँ वह यह है कि उसने खुद को ऊंचा नहीं किया। वह प्रिय शिष्य होने का बड़ा मुद्दा बना सकता था।

वह कम से कम अपना नाम तो बता सकता था, क्योंकि इस समय तक, उसका दर्जा बढ़ चुका होता। वह निश्चित रूप से खुद को प्रेरित कह सकता था, लेकिन वह सिर्फ अपने पद के साथ चर्च में मौजूद लोगों में खुद को शामिल करता है। दूसरे, वह कहता है, प्रिय, मैं प्रार्थना करता हूँ, और उसने यह भी कहा है, जिसे मैं गयास से सच्चा प्यार करता हूँ, और वह गयास को प्रिय कहता है।

इसलिए, कई मायनों में, वह हमें याद दिलाता है कि हमें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। वह हमें याद दिलाता है कि कैसे प्रेम और प्रार्थना विश्वासियों के लिए प्रेम और प्रार्थना की पहचान हैं। अब मैंने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि कई ईसाई इस बात की गवाही देते हैं कि वे अपने प्रार्थना जीवन में संघर्ष करते हैं, कि उन्हें सार्थक प्रार्थना जीवन या नियमित प्रार्थना जीवन जीना आसान नहीं लगता है, और अवलोकन से हम देखते हैं कि कई बार ईसाई इतने प्रेमपूर्ण नहीं होते हैं, और कभी-कभी हम अपने जीवन पर नज़र डाल सकते हैं और ऐसे समय देख सकते हैं जब हम ईश्वर के प्रेम को बहुत ज़्यादा अभिव्यक्त नहीं करते हैं, या हमने ईश्वर के प्रेम को महसूस नहीं किया है, और जब आप ईश्वर के प्रेम को महसूस नहीं करते हैं, तो आप संभवतः ईश्वर के प्रेम को जी नहीं

पाएंगे, लेकिन मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मैं चाहता हूँ कि हम देखें कि यहाँ क्या हो रहा है।

यहाँ एक तरह का अगापे बल क्षेत्र है। अगापे ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ है प्यार, और जब आप 3 जॉन को पढ़ते हैं, तो यह बहुत पतला और दिशाहीन लग सकता है, लेकिन यहाँ लेखक और जिस व्यक्ति को वह लिख रहा है, उसके बीच संबंधों के नेटवर्क पर ध्यान दें। जाहिर है, उनका एक इतिहास है, वे एक-दूसरे को पसंद करते हैं, उनके बीच एक रिश्ता है, और यह कुछ ऐसा है जो सुसमाचार के साथ चलता है, और यह केवल एक गर्म, क्षैतिज संबंध नहीं है।

जैसा कि मैंने पहले के एक व्याख्यान में कहा था, प्रियतम परमेश्वर के अपने लोगों के प्रति प्रेम को दर्शाता है, और क्योंकि परमेश्वर ने अपने लोगों पर अपना स्नेह रखा है, वे उसे जानते हैं, वह उनका पिता है, और यह उन्हें बच्चों का दर्जा देता है, आप जानते हैं, विश्वास में भाई और बहन। इसलिए, यहाँ भाषा में एक गाढ़ापन है जिसे अनदेखा करना आसान है, क्योंकि यह सरल भाषा है, अंग्रेजी में यह अपनी पुनरावृत्ति के कारण लगभग अजीब है, और हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि जॉन इस दोहराव वाली शैली में क्यों लिखता है। हम नहीं जानते कि क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि कोई दूसरी भाषा थी जो उसकी मूल भाषा थी, और वह एक तरह की बुनियादी, दोहराव वाली ग्रीक में लिख रहा है, क्योंकि शायद कोई हिब्रू या अरामी भाषा उसके लिए अधिक मूल थी।

कुछ लोगों ने पिछले कुछ सालों में यह सुझाव दिया है कि वह बहुत बुजुर्ग हैं, और इसलिए उनकी भाषाई क्षमता उतनी तेज़ नहीं है, और उनके शब्दों का चयन उतना विविधतापूर्ण नहीं है जितना कि अगर वह युवा अवस्था में होते तो हो सकते थे। हम इन सवालों के जवाब नहीं जानते, लेकिन मुझे यह पसंद है कि वह इन बातों को दोहराते हैं, क्योंकि यह स्पष्ट है कि उनका ज़ोर किस पर है, और मसीह के साथ उनके चलने में उनका ज़ोर ईश्वर के साथ एक रिश्ते पर है जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोगों के साथ एक गहरा रिश्ता बनता है, और एक ऐसा रिश्ता जिसमें वह उनके लिए प्रार्थना करते हैं। वह प्रार्थना करते हैं कि उनके साथ सब कुछ ठीक रहे और वह अपनी आत्मा की तरह अच्छे स्वास्थ्य में रहें।

तो, ग्युस के लिए एक समग्र चिंता है। यह सिर्फ उसकी आध्यात्मिक भलाई नहीं है। यह सिर्फ उसके अच्छे स्वास्थ्य की बात नहीं है।

प्राचीन दुनिया में स्वास्थ्य आता-जाता रहता था। जीवन प्रत्याशा 25 या 30 वर्ष थी, और आधुनिक दवाइयाँ और ईएमटी और आपातकालीन देखभाल सुविधाएँ वगैरह नहीं थीं। लोगों के लिए यह बहुत स्पष्ट था कि आपको मरने के लिए तैयार रहने की ज़रूरत है, क्योंकि मृत्यु की संभावना बहुत ज़्यादा नहीं थी।

इसलिए, जॉन ग्युस के आध्यात्मिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर प्रसन्न है, और यह निश्चित रूप से शारीरिक स्वास्थ्य के सुसमाचार का निर्माण करने का आधार नहीं है, जैसे कि ईसाई सुसमाचार के सर्वोच्च आदर्शों में से एक स्वास्थ्य होना और शायद उपचार देना था। इस आयत पर पूरे आंदोलन का निर्माण किया गया है, और जॉन एक क्षितिज की कल्पना नहीं करता

है जिसमें यदि आप मसीह को जानते हैं तो आपका स्वास्थ्य अच्छा होने वाला है, और यदि आपके पास मसीह है, तो आप जाकर अन्य लोगों को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान कर सकते हैं। तीसरा अवलोकन यह है कि यह एक अन्य सुसमाचार कॉलिंग कार्ड के बारे में एक अवलोकन है, और वह है अन्य विश्वासियों की अखंडता में प्रसन्नता।

मुझे बहुत खुशी हुई जब भाई आए और तुम्हारी सच्चाई, तुम्हारी ईमानदारी की गवाही दी, क्योंकि तुम सच में सच्चाई में चल रहे हो। तुम्हें पता है, जॉन को यह अनुमान था कि ग्युस मसीह जैसा जीवन जी रहा होगा, लेकिन जाहिर तौर पर कुछ लोग जॉन के पास आए और उन्होंने जॉन से कहा, जॉन, क्या तुम ग्युस को जानते हो? जॉन ने कहा, हाँ, मैं ग्युस को जानता हूँ, और उसने कहा कि वह मसीह के प्रति निष्ठा का जीवन जी रहा है। वह परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने, परमेश्वर के प्रति प्रेम, मसीह को जानने के अर्थ के अनुपालन के अर्थ में अच्छा जीवन जी रहा है।

और जॉन की बात पर ध्यान दें, और यह एक तरह की असामान्य भाषा है, वह यहाँ एक विशेषण या क्रिया विशेषण का उपयोग करता है, मुझे लगता है, यहाँ अत्यधिक का अनुवाद बहुत अधिक किया गया है, जब मैंने सुना कि आप ईसाई धर्म में फल-फूल रहे हैं, तो मुझे बहुत खुशी हुई। इसलिए, प्रेम और प्रार्थना कॉलिंग कार्ड हैं, लेकिन प्रेम और प्रार्थना पवित्र आत्म-भोग हो सकते हैं, और खासकर अगर चीजें आपके लिए अच्छी चल रही हैं, तो आप अन्य लोगों के प्रति प्रेम महसूस कर सकते हैं, और आप प्रार्थना का जीवन जी सकते हैं, भगवान को धन्यवाद दे सकते हैं कि चीजें आपके लिए अच्छी चल रही हैं। लेकिन जॉन किसी और में आनन्दित हो रहा है, और यह मुझे मसीह की याद दिलाता है।

आप जानते हैं, मसीह दूसरे लोगों की खातिर आया था। वह सेवा करवाने नहीं आया था, वह खुद को दूसरों के लिए समर्पित करने आया था। और इसलिए, आप जानते हैं, यह उस रिश्ते के नेटवर्क का हिस्सा है जिसे हम इस पत्र में देखते हैं।

अभिवादन के बारे में अंतिम टिप्पणी, वह विश्वासियों को मेरे बच्चे कहते हैं। मुझे इससे अधिक खुशी नहीं होती कि मैं सुनूँ कि मेरे बच्चे सत्य में चल रहे हैं। अब, जब मैं छोटा था, तो मेरे लिए इसका इतना मतलब नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे मैं बड़ा होता गया, मैंने देखा कि जब हम प्रभु के साथ चलते हैं, और हम वही करते हैं जो वह हमें करने के लिए कहते हैं, तो क्या होता है, और वह एक ईश्वरीय माता-पिता हो सकता है, एक ईश्वरीय मित्र हो सकता है, शिक्षण में एक ईसाई हो सकता है, चिकित्सा में एक ईसाई हो सकता है, एक मजदूर हो सकता है, जो भी हो।

सभी मसीहियों को शिष्य बनाने, दूसरों को यीशु के बारे में सीखने और यीशु का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बुलाया गया है। इसलिए, आपको वफादार शिष्यता की विरासत पाने के लिए पादरी या पादरी होने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन मैं हमें प्रोत्साहित करना चाहता हूँ कि हम जॉन के जीवन के बाद के दिनों के बारे में सोचें, और इस बात पर उसकी खुशी के बारे में बात करें कि उसके बच्चे सच्चाई में चलते हैं।

वफ़ादारी की एक विरासत है कि जितना ज़्यादा आप प्रभु के प्रति वफ़ादार रहेंगे, उतना ही आप उन कदमों के लिए आभारी होंगे जो आपने अपने इसाई जीवन में पहले ही अधिक वफ़ादारी पाने के लिए उठाए थे। आप जानते हैं, वफ़ादारी हमेशा एक संघर्ष है, और हम विश्वास में जितने कम उम्र के होते हैं, हम उसमें उतने ही कम दृढ़ और पुष्ट होते हैं, और हम उतना ही ज़्यादा सवाल कर सकते हैं, क्या यह इसके लायक है? क्या मैं सही रास्ते पर हूँ? ऐसा लगता है कि यह मेरे जीवन का एक बड़ा और बड़ा हिस्सा बनता जा रहा है। और ऐसा ही है।

आप जानते हैं, परमेश्वर हमारे लिए खुलना चाहता है और हमें उसके लिए खोलना चाहता है ताकि हम उसमें और अधिक आनंद और यहाँ तक कि उससे खुशी पाएं। मुझे याद है कि मेरे वयस्क इसाई जीवन में पहले, मैं पूछता था, क्या मुझे चर्च जाना चाहिए? और फिर मैं सोचता था, ठीक है, आप जानते हैं, मैं लंबी पैदल यात्रा पर नहीं जा सकता या मैं मछली पकड़ने नहीं जा सकता या अगर मैं चर्च जाता हूँ तो मैं यह नहीं कर सकता। और जितना अधिक मैं विश्वास में बढ़ता गया, उतना ही मैंने खुद को उन चीजों में शामिल पाया जिनमें चर्च शामिल था और उन चीजों में शामिल था जिनमें परमेश्वर के लोगों की सेवा करना शामिल था।

लेकिन मेरा जीवन बेहतर हो गया, मेरी शादी बेहतर हो गई, और मेरी आत्मा बेहतर हो गई। जॉन यहाँ गयुस के स्वास्थ्य और उसकी आत्मा के बारे में बात करता है। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि जॉन को एक पूर्ण जीवन का रहस्य पता था।

और मुझे लगता है कि वह शायद पहले से ही बूढ़ा था, और मुझे लगता है कि यह हमें बूढ़े होने की उम्मीद करने के लिए प्रोत्साहित करता है। लेकिन प्रभु में बूढ़े होने की उम्मीद करें और इस बात से अवगत रहें कि आप एक विरासत का निर्माण कर रहे हैं, और आप हर दशक में खुश रहेंगे जब आप वफ़ादार रहेंगे या प्रभु के साथ वफ़ादारी पाने की कोशिश करेंगे। मैं यह छोटी सी कहानी बताऊंगा।

इस बारे में बात करते ही मुझे बचपन की याद आ जाती है, जब मुझे अपने दादा-दादी के खेत में भेजा गया था। और वे बहुत गरीब किसान थे। मेरे दादाजी के पास दो घोड़े थे, जिनके साथ वे खेती करते थे।

वह ट्रैक्टर के लिए बहुत गरीब था। उनके घर में घर के अंदर पाइपलाइन नहीं थी। और मेरे लिए, यह एक कैपिंग ट्रिप की तरह था।

लेकिन वे बहुत ही गरीब लोग थे। और वे चर्च जाते थे, और मेरे दादाजी चर्च में गीत नेता थे। और यह एक छोटा सा देहाती चर्च था, और वे तलवार के सहारे आगे की ओर खड़े होते थे, और गाना बजानेवालों में शायद 10 लोग होते थे।

और वह चौगा पहनता था, जो एक अमीर किसान की निशानी थी। और वह गायन का नेतृत्व करता था, और उसका हाथ पूरी तरह गठिया से ग्रस्त था। उसका हाथ बड़ा था, लेकिन वह पूरी तरह मुड़ा हुआ था।

वह अब भी गायों का दूध दुहता था, लेकिन वह गायन का नेतृत्व करता था। और गायक मंडल के समाप्त होने के बाद, सभी अपनी सीटों पर चले जाते थे, और वे यह गीत गाते थे, और इसमें कहा गया था, यीशु के साथ हर दिन पिछले दिन से ज़्यादा मीठा होता है। और फिर कुछ इस तरह, हर दिन मैं उसे जानता हूँ।

मैं उससे और भी ज़्यादा प्यार करता हूँ। यीशु मुझे बचाता है और मेरी रक्षा करता है, और मैं उसके लिए जी रहा हूँ। यीशु के साथ हर दिन पिछले दिन से ज़्यादा मीठा होता है।

और मेरे दादाजी 60 के दशक में थे, और मुझे ऐसा लगा कि वे मेथ्यूसेलह हैं, जैसे कि वे शायद 800 या 900 साल के थे। अब मैं 71 साल का हूँ, और वे अब मुझे उतने बूढ़े नहीं लगते जितने पहले लगते थे। लेकिन मुझे वास्तव में ऐसा नहीं लगा, यह एक नकली गीत जैसा लग रहा था।

और मैंने सोचा, आप 60 की उम्र में कैसे कह सकते हैं कि यीशु के साथ हर दिन पिछले दिन से ज़्यादा मीठा होता है? बचपन में, यह बात मुझे अतिशयोक्ति लगती थी। लेकिन अब जब मैं बड़ा हो गया हूँ, और मैं लोगों को मरते हुए देखता हूँ, और मैंने लोगों के अंतिम संस्कार किए हैं, और मैं खुद मरने के बारे में सोचता हूँ, तो मसीह में ईश्वर को जानने की आशा और खुशी और भी मीठी हो जाती है। और यह उस विरासत का हिस्सा है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ, वफादार शिष्यत्व की विरासत, जहाँ आप दूसरे लोगों की परवाह करते हैं, और शिष्यत्व वास्तव में मूर्त तरीकों से विश्वास में दूसरे लोगों को प्रोत्साहित करना है।

यह सब सिर्फ पढ़ाना नहीं है। मेरा मतलब है, पढ़ाना इसका एक हिस्सा है, लेकिन हम बिना पाठ पढ़ाए भी पढ़ा सकते हैं। हम अपने उदाहरण से भी सिखा सकते हैं।

हम अपने हाव-भाव से लोगों को सिखा सकते हैं कि मसीह में विश्वास के माध्यम से ईश्वर में विश्वास में चलने का क्या मतलब है। तो, यह सब सिर्फ अभिवादन में है, और अब हमें गयुस की प्रशंसा करनी है। गयुस वह व्यक्ति है जिसे यूहन्ना लिख रहा है, और उसके पास उसके लिए कुछ दयालु शब्द हैं।

प्रिय, यह एक विश्वासयोग्य कार्य है जो आप इन भाइयों के लिए करते हैं, चाहे वे अजनबी ही क्यों न हों। तो, ये वे भाई हैं, जो यूहन्ना के पास आए, जहाँ कहीं भी वह था, जिन्होंने कलीसिया के सामने आपके प्रेम की गवाही दी। जाहिर है, गयुस ने उनका स्वागत किया और उनका आतिथ्य किया।

आप उन्हें उनके मार्ग पर ईश्वर के योग्य तरीके से भेजकर अच्छा करेंगे। यह एक ऐसा शब्द है जो होता है; ग्रीक शब्द है प्रोपेम्पो। पेम्पो, मैं भेजता हूँ, प्रो का अर्थ पहले या आगे हो सकता है, और यह है, मैं इसे एक तकनीकी शब्द कहने जा रहा हूँ, लेकिन यह एक ऐसा शब्द है जो लोगों को उनके काम को करने के लिए आवश्यक चीज़ों के साथ भेजने के संबंध में होता है।

उन्हें सिर्फ भेजना ही नहीं, बल्कि, आप जानते हैं, शायद पैसा, शायद खाना, या अन्य चीज़ें जो उन्हें उनके बुलावे के लिए चाहिए। उन्हें उनकी यात्रा पर ईश्वर के योग्य तरीके से भेजना आपके

लिए अच्छा रहेगा। क्योंकि वे नाम की खातिर बाहर गए हैं, जो मसीह का नाम होगा, अन्यजातियों से कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे, और वे गैर-विश्वासी होंगे।

इसलिए, हम जो ईसाई हैं, हमें ऐसे लोगों का समर्थन करना चाहिए, जो मसीह के लिए मिशन पर जा रहे हैं, ताकि हम सत्य के लिए सहकर्मी बन सकें। तो, यहाँ स्पष्टीकरण का एक शब्द यह होगा कि यह भ्रमणशील सुसमाचार सेवकों जैसा प्रतीत होता है, आप जानते हैं, जो लोग सुसमाचार का कार्य करते हुए यात्रा करते हैं, वे जॉन को समाचार लाए हैं, जॉन कहाँ है, गयुस के बारे में, गयुस कहाँ है। लेकिन वे गयुस के पास लौटने वाले हैं, और जॉन उनकी सराहना करता है, और वह गयुस को उनके मिशनरी कार्य में उनका समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

यही है वहाँ जो है उसे देखना। हम इससे यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं, हम कह सकते हैं कि मिशनरी कार्य सभी विश्वासियों द्वारा साझा किया जाता है, और यह याद रखना बुरा नहीं है कि यीशु के जी उठने के बाद और स्वर्गारोहण से पहले, उन्होंने अपने अनुयायियों से कहा, स्वर्ग और पृथ्वी पर सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए, जाओ और सभी जातियों के लोगों को शिष्य बनाओ।

इसका अनुवाद राष्ट्रों के रूप में किया जाता है, इसका अनुवाद लोगों के रूप में किया जाता है, वे, यह सब सच है। हर कोई, हर जगह। जाओ और हर किसी को, हर जगह शिष्य बनाओ।

उन्हें सब बातों का पालन करना सिखाओ, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब कुछ पालन करना सिखाओ जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है। यह शब्द आज्ञा है। और, हे, देखो, किंग जेम्स कहता है, देखो, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ, यहाँ तक कि युग के अंत तक।

यह सभी विश्वासियों के लिए एक सामान्य आदेश है, और हम सभी इसमें भाग ले सकते हैं। हम सभी ऐसी जगह नहीं जा सकते जहाँ हमें वहाँ पहुँचने के लिए मदद की ज़रूरत हो, लेकिन हम सभी वहाँ जाने का हिस्सा हो सकते हैं, जिसमें हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो जाते हैं, हम उन लोगों का समर्थन करते हैं जो जाते हैं, शायद हम खुद भी वहाँ जाएँ। तो, आप यहाँ देख सकते हैं कि गयुस की यह प्रशंसा वास्तव में एक मिशनरी प्रशंसा है।

नाम की खातिर बाहर जाते हैं।

जाहिर है, वह उन्हें इतनी अच्छी तरह से जानता है कि वह जानता है कि ये लोग असली हैं। वे धोखेबाज़ नहीं हैं, वे उपद्रवी नहीं हैं। हमें सावधान रहना चाहिए कि हम ईसाई कार्य में किसका समर्थन करते हैं, क्योंकि आपको बस टीवी पर जाना है और विभिन्न चैनल देखना है, और आप देखेंगे कि लोग यीशु के नाम पर तरह-तरह के काम कर रहे हैं और अपने काम के लिए समर्थन के लिए पैसे मांग रहे हैं।

और यह वैध हो सकता है, और यह काफी संदिग्ध भी हो सकता है। इसलिए, गयुस सही प्रकार के लोगों का समर्थन कर रहा है जो सही प्रकार के कारणों से बाहर हैं। 3 जॉन के तीसरे भाग को मैं दियुत्रिफेस के साथ व्यवहार कहूँगा।

और जॉन कहता है कि मैंने चर्च को कुछ लिखा है। अब, यह 2 जॉन और 3 जॉन को संदर्भित कर सकता है, या यह सिर्फ 2 जॉन को संदर्भित कर सकता है, क्योंकि 2 जॉन कहीं चर्च को लिखा गया है। या यह सिर्फ 1 जॉन हो सकता है।

मैंने चर्च को कुछ लिखा है ताकि चर्च को वापस पटरी पर लाने या पटरी पर बने रहने में मदद मिल सके। लेकिन समस्या यह है, वह कहता है। दियुत्रिफेस, जो खुद को पहले रखना पसंद करता है, हमारे अधिकार को स्वीकार नहीं करता।

यहाँ जॉन है, जो मसीह का एक प्रेरित है, लेकिन यहाँ चर्च में कोई ऐसा व्यक्ति है जो जॉन के अधिकार को स्वीकार नहीं करता है। इसलिए, अगर मैं आता हूँ, तो मैं उसके द्वारा की जा रही हरकतों को सामने लाऊँगा, हमारे खिलाफ़ दुष्ट बकवास कर रहा हूँ। और इससे संतुष्ट न होकर, वह भाइयों का स्वागत करने से इनकार कर देता है और जो लोग ऐसा करना चाहते हैं उन्हें भी रोक देता है और उन्हें चर्च से बाहर कर देता है।

लड़के, हम चाहते हैं कि हम यहाँ जो हो रहा है उसके बारे में ज़्यादा जानें। लेकिन यह स्पष्ट है कि यहाँ एक बुरा आदमी है। और खासकर अगर आप मूल में शब्दों को देखें, तो यह वह है जो पहले रहना पसंद करता है।

और फिर यह उनका नाम डायोट्रेफेस रखता है। लेकिन फिर इसमें एक दिलचस्प सर्वनाम है, ऑटोन, जो उनका है। तो यह उनका डायोट्रेफेस है।

उनका पहला स्थान डायोट्रेफेस को पसंद है। तो, वह ऐसा है, जैसे बेसबॉल में हम क्लीनअप हिटर के बारे में बात करते हैं। वह उनका हैवीवेट आदमी है।

वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे ये लोग वास्तव में आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन वह जॉन के अधिकार या प्रेरितिक अधिकार को स्वीकार नहीं करता। और यही मेरा पहला मुद्दा है।

चर्च में ऐसे लोग पैदा होते हैं जो प्रेरितिक अधिकार को स्वीकार नहीं करते। यह एक पुरानी समस्या है क्योंकि सुसमाचार के साथ दिखावटी अनुभव प्राप्त करना आसान है।

यदि आप विभिन्न देशों में यात्रा करते हैं, तो यह विभिन्न देशों में अलग-अलग रूप लेता है। मैंने देखा है कि यह उन जगहों पर भी होता है जहाँ बहुत ज़्यादा पैसा नहीं होता। और अक्सर, जहाँ ईसाई मौजूद होते हैं, वहाँ कुछ संसाधन होते हैं।

बाहर से भेजा गया हो, और हो सकता है कि उनके पास कुछ संसाधन हों। वे बाइबल बांट रहे हों, या हो सकता है कि उनके पास दवा हो। क्षेत्र या दुनिया में कहीं और उत्पादक अर्थव्यवस्था का कोई संकेत है कि वे भगवान का आशीर्वाद फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ईश्वर के आशीर्वाद का संदेश और ईश्वर के आशीर्वाद की सामग्री। और ऐसे लोग हैं जो इसे देखते हैं और वे इसका हिस्सा बनना चाहते हैं, लेकिन वे अपने दिलों में बदलाव नहीं चाहते। वे आशीर्वाद का भौतिक हिस्सा चाहते हैं।

और इसके लिए मैं ज़रूरी तौर पर दोषी नहीं हूँ, क्योंकि अगर मैं बहुत गरीब हूँ और मुझे लगता है कि मैं किसी राहत एजेंसी या संगठन का हिस्सा बन सकता हूँ जो अच्छे काम कर रहा है, तो क्यों न मैं भी उसमें शामिल हो जाऊँ और कोई अच्छा काम करूँ? और हो सकता है कि मैं समझदार हूँ। हो सकता है कि मैं मज़बूत हूँ। हो सकता है कि वे कहें कि अरे, हम तुम्हें हमारी मदद के लिए काम पर रखेंगे।

आप यहाँ की भाषा जानते हैं, और आप इस सेवकाई में हमारी मदद कर सकते हैं। खैर, लोग सेवकाई में आते हैं, और वे प्रभु को नहीं जानते। और ऐसा लगता है कि दियुत्रिफेस के साथ भी यही हुआ।

दियुत्रिफेस ने किसी तरह मण्डली में अपनी जगह बना ली है, और वह मण्डली के लोगों का प्रिय बन गया है। वे उसे पसंद करते हैं। वह उनका चैंपियन है।

और उन्हें शोहरत पसंद है। उन्हें शोहरत पसंद है। आप जानते हैं, बस थोड़ा सा बदलाव करें।

वे सत्ता-प्रेमी हैं। वे प्रभाव-प्रेमी हैं। डायोट्रेफेस।

और शायद उसके पास पैसा था। शायद उसके पास नेतृत्व करने की क्षमता थी। शायद वह एक महान वक्ता था।

हर तरह से, ऐसे लोग हैं जो चर्च में आते हैं और वे अनुयायियों को आकर्षित करते हैं। वे प्रभावशाली लोग हैं। पिछले कुछ सालों में, मैंने इसे बार-बार धनी लोगों के साथ देखा है।

धनी लोग दूसरों को यह बताने के आदी होते हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए और दूसरे लोग वही करना पसंद कर सकते हैं जो वे करना चाहते हैं क्योंकि इससे उन्हें धनी व्यक्ति के कार्यक्रम का हिस्सा बनने में लाभ हो सकता है। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने अमीर हैं, अगर आप प्रेरितों की शिक्षा का विरोध कर रहे हैं, अगर आप मसीह की शिक्षा का विरोध कर रहे हैं, तो यह अच्छी बात नहीं है। और इसलिए, यहाँ मेरा दूसरा बिंदु चर्च का अनुशासन है।

तो, मेरा मतलब है कि मण्डली में, आपको परमेश्वर और एक दूसरे के साथ रिश्ते की शर्तों को लागू करने की किसी तरह की व्यवस्था करनी होगी। और कई चर्च सदस्यता संरचनाओं में, जब आप सदस्य बनते हैं, तो आप प्रतिज्ञा करते हैं कि आप इस चर्च में नेताओं के अधिकार के अधीन रहेंगे। और अक्सर, आप जानते हैं, चर्चों में किसी तरह का एक सैद्धांतिक कथन होता है।

तो, एक सिद्धांत कथन है जो चर्चों के उस समूह में सभी पर लागू होता है। उस सेटिंग में एक नेतृत्व कोर होगा। आप कह सकते हैं कि वे सिद्धांत कथन को लागू करते हैं।

वे सुनिश्चित करते हैं कि सच्चे सुसमाचार का प्रचार किया जाए और अगर लोग अनियमित जीवन जी रहे हैं, तो नेता उन तक पहुँचेंगे और उन्हें अपना जीवन व्यवस्थित करने में मदद करेंगे। तो,

यही जॉन व्यक्त करता है। वह कहता है, अगर मैं आता हूँ, अगर वह जहाँ कहीं भी है, वहाँ से मुक्त हो जाता है, तो मैं उसे बताऊँगा कि वह क्या कर रहा है।

मेरा मतलब है, यह सब सबकी नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन जाहिर है, उनका इतना प्रभाव है कि वे इसे रोक नहीं सकते। मैं बताऊँगा कि वह क्या कर रहे हैं, हमारे खिलाफ़ दुष्ट बकवास कर रहे हैं। और इतना ही नहीं, यह पर्याप्त नहीं है।

वह भाइयों का स्वागत करने से इनकार करता है। इसलिए, ऐसे लोग हैं जिन्हें यूहन्ना भाई कहता है। वे प्रेरितिक संदेश और मिशन के प्रति वफादार हैं।

वह उन्हें रोक रहा है, और जो लोग उनका स्वागत करना चाहते हैं उन्हें रोक रहा है, और उन्हें चर्च से बाहर कर रहा है। तो, यह बहुत संक्षिप्त है, लेकिन यह बहुत परेशान करने वाला है कि हमारे पास कोई ऐसा व्यक्ति है जो चर्च के पूरे स्वरूप को बाधित कर रहा है और वास्तव में बदल रहा है। कभी-कभी मुझे लगता है कि लोग सोचते हैं कि प्रारंभिक चर्च शुद्ध था, और उनके पास सुसमाचार की शक्ति थी, और वे चमत्कार कर रहे थे।

और, आप जानते हैं, अब यह कहाँ है? और वास्तव में, यदि आप बारीक अक्षरों और पत्रों को पढ़ेंगे, तो आप देखेंगे कि सूर्य के नीचे कुछ भी नया नहीं है। बिल्कुल शुरुआत से, यीशु द्वारा प्रशिक्षित लोगों की नाक के नीचे, ऐसे लोग थे जो बेशर्मी से उठे और उन लोगों का विरोध किया जिन्हें यीशु ने चुना था और अपनी उपस्थिति से आशीर्वाद दिया था। और इसलिए, जॉन की प्रतिक्रिया वास्तव में यीशु की उपस्थिति का प्रकटीकरण है।

प्रेरितिक अधिकार के प्रतिद्वंदी, प्रभु के मिशन में बाधा डालते हैं। प्रभु से मेरा मतलब है कि यीशु से संबंधित, लैटिन में डोमिनस, प्रभु, ग्रीक में कुरियोस। यीशु का एक मिशन है, और चर्च यीशु के मिशन को पूरा करता है।

और जॉन और जॉन गयुस और वहाँ की मण्डलियों का जीवन भर का काम अनुग्रह में बढ़ना और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के ज्ञान में वृद्धि करना और उनके संदेश को साझा करना, शिष्य बनाना था। और जब दियुत्रिफेस जैसा कोई व्यक्ति उभरता है तो यह मिशन जारी नहीं रह सकता। इसलिए यह मत सोचिए कि यह जॉन और दियुत्रिफेस के बीच कोई छोटी-मोटी तकरार है।

और जॉन एक दूसरे के साथ क्यों नहीं रह पाया? जॉन ज़्यादा प्यार करने वाला और क्षमाशील क्यों नहीं था? जॉन ज़्यादा शांत क्यों नहीं था? और वास्तव में, मैंने पिछली एक या दो पीढ़ियों में कई टिप्पणियाँ पढ़ी हैं, जिसने भी यह किताब लिखी है, जिसके बारे में कई आधुनिक विद्वान कहते हैं, ठीक है, जॉन ने इसे नहीं लिखा। जॉन बुरा आदमी बन जाता है। जॉन एक भंगुर, आत्म-महत्वपूर्ण धार्मिक व्यक्ति है, और दियोत्रेफेस एक तरह का मौज-मस्ती करने वाला व्यक्ति है।

और वह बस यही चाहता है कि वहाँ प्यार और अच्छी भावनाएँ हों। और फिर जॉन धमाका कम कर देता है और आरोप लगाता है, और वह अंदर आने वाला है। और जॉन की तरह मत बनो।

दियुत्रिफेस की तरह बनो और बस, तुम जानते हो, चर्च में खुश रहो और मौज करो। यही इसका उद्देश्य है। और जॉन ऐसा नहीं सोचता कि यह इसके लिए है।

जॉन का मानना है कि यह उन चीज़ों के लिए है जिन्हें हम पहले ही धर्मशास्त्रीय विषयों पर अपने व्याख्यानों में देख चुके हैं, जैसे कि परमेश्वर के सामने ईमानदारी, परमेश्वर के साथ संबंध, परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना, परमेश्वर के प्रेम को जानना, परमेश्वर की सच्चाइयों में जीना, परमेश्वर ने हमें जिस चीज़ के लिए बुलाया है, उसमें बने रहना, न तो संसार से प्रेम करना, न ही संसार की चीज़ों से, जिसमें सांसारिक अधिकार और लोगों को प्रभावित करना शामिल है। इसलिए हम 3 जॉन की इस छोटी सी किताब के अंत के करीब पहुँच गए हैं, जो वास्तव में हर पीढ़ी में चर्च के जीवन की वास्तविकता से भरपूर है, क्योंकि हम लगातार देख रहे हैं, अगर हम सतर्क हैं, तो हम लगातार चर्च में प्रेरितिक अधिकार के प्रतिद्वंद्वियों को उभरते हुए देख रहे हैं। चौथा भाग ये दो आयतें हैं, समापन सलाह और प्रशंसा।

हे प्रियों, बुराई का अनुकरण मत करो, परन्तु भलाई का अनुकरण करो। जो भलाई करता है, वह परमेश्वर से है। जो बुराई करता है, उसने परमेश्वर को नहीं देखा।

अच्छी गवाही मिली है। हम भी अपनी गवाही जोड़ते हैं, और आप जानते हैं कि हमारी गवाही सत्य है। मैं यहाँ नोट्स में कुछ नहीं कहता, क्योंकि हम सब कुछ संक्षिप्त कर रहे हैं, लेकिन यह संभव है कि डेमेट्रियस यह पत्र ले जा रहा हो, शायद 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना और 3 यूहन्ना वाला पैकेट ले जा रहा हो।

और इसलिए जब वह गयुस को पत्र लिखता है, तो जॉन कहता है, डेमेट्रियस, जो हमारे लिए एक तरह से अचानक आता है, लेकिन अगर वह पत्र, या पत्रों का पैकेट ले जा रहा है, तो वह इसे गयुस को सौंप देगा, और आप जानते हैं, शायद उसने पहले कभी डेमेट्रियस को नहीं देखा था और उसे निश्चित रूप से नहीं जानता था। इसलिए जॉन उसकी प्रशंसा करता है। उसे सभी से, सच्चाई से ही अच्छी गवाही मिली है।

हम अपनी गवाही जोड़ते हैं। आप जानते हैं कि हमारी गवाही सच है। इसलिए एक जगह जहाँ चर्च खतरे में है, यह दियुत्रिफेस द्वारा खतरे में है, जॉन निर्वासन से लिख रहा हो सकता है।

यह निश्चित रूप से चर्च के उत्पीड़न का युग था, कम से कम यहाँ और वहाँ। हमेशा यह सवाल रहता है: आप किस पर भरोसा करते हैं? आप जानते हैं, मैं एक चर्च प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था जिसमें कुछ स्थानीय लोग जो ईसाई धर्म अपनाने का दावा करते थे, वास्तव में धर्मांतरित नहीं हुए थे, और वे चर्च में जासूस बन गए थे। और फिर जब समय आया, तो उन्होंने चर्च में बहुत से लोगों को धोखा दिया।

और चर्च ने उन पर भरोसा किया था, लेकिन यह पता चला कि वे भरोसेमंद नहीं थे। तो ऐसी परिस्थितियों में, आप जानते हैं, लोगों को एक दूसरे की बात पर भरोसा करना पड़ता है कि आप किस पर भरोसा करते हैं। और जॉन कह रहा है, गयुस, मेरी बात मानो, तुम डेमेत्रियुस पर भरोसा कर सकते हो।

मैंने अभी जो शब्द पढ़े हैं, उनमें हम देखते हैं कि एक चेतावनी है: सावधान रहो कि तुम किसकी नकल करते हो। बुराई की नकल मत करो, बल्कि अच्छाई की नकल करो। मुझे लगता है कि पद 11 के स्थान पर, इसका मतलब है कि दियुत्रिफेस किसी बुराई का उदाहरण है।

और जो लोग उसका समर्थन करते हैं, यह अच्छा नहीं है। इसलिए सावधान रहो, गायस, तुम किसके साथ हो, तुम किसका समर्थन करते हो, तुम किसे बर्दाश्त करते हो, और तुम किसे बर्दाश्त करते हो। और वह बताता है कि क्यों।

और यही मेरा दूसरा नंबर है। उनके फलों से हम अच्छे और बुरे में फर्क कर सकते हैं। जो कोई भी अच्छा करता है वह ईश्वर से है।

जो कोई भी बुराई करता है, वह ईश्वर को नहीं देख पाता। कुछ लोगों की बातें बहुत, बहुत प्रभावशाली होती हैं। कुछ लोग सुंदर दिखते हैं, और जैसा कि मैंने पहले कहा, उनमें नेतृत्व कौशल होता है, और वे लोगों को आकर्षित करते हैं, और लोग शायद इस बात पर ध्यान न दें कि वे वास्तव में कैसे जी रहे हैं।

और जॉन यहाँ पर ज़ोर दे रहा है, वास्तव में वही जो यीशु ने कहा था। इसलिए मैं फल शब्द का उपयोग करता हूँ, क्योंकि यीशु ने पहाड़ी उपदेश में कहा था, उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे। और यही बात जॉन यहाँ दोहरा रहा है।

तीसरा, आपकी गवाही क्या है? क्या आपके पास कोई गवाही है? आप जानते हैं, ईसाई मंडलियों में, संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत बार, हम कहते हैं कि हम कुछ गवाही देने जा रहे हैं, और फिर लोग इस बारे में बात करेंगे कि वे मसीह के पास कैसे आए या मसीह में उनका जीवन कैसा रहा। और अधिक व्यापक रूप से, प्रत्येक ईसाई के पास अपने ईसाई जीवन का एक रिकॉर्ड होता है जिसके बारे में आप सोच सकते हैं। आप जानते हैं, मैं कितने सालों से ईसाई हूँ? मैं चर्च में कहाँ गया हूँ? क्या मैंने नर्सरी में काम किया है? क्या मैंने छुट्टियों के दौरान बाइबल स्कूल का नेतृत्व किया है? क्या मैंने किसी को मसीह के पास पहुँचाया है? और यह हमारी गवाही बन जाती है।

लेकिन हमारी गवाही अंततः वह नहीं है जो हम दूसरों के बारे में कहते हैं, या माफ़ करें, वह नहीं जो हम अपने बारे में कहते हैं। क्योंकि मैं अपने बारे में बड़े-बड़े दावे कर सकता हूँ और सिर्फ़ अहंकारी हो सकता हूँ। या मैं सोच सकता हूँ कि मैं महान काम कर रहा हूँ, लेकिन मेरी पत्नी या मेरे बच्चे बेहतर जानते होंगे।

तुम्हें पता है, पिताजी चर्च में अच्छे दिखते हैं, लेकिन असल में घर पर, वह बहुत अच्छे इंसान नहीं हैं। इसलिए, डेमेट्रियस के पास सभी से एक ईसाई की गवाही थी। अन्य लोगों ने कहा कि यह आदमी वैध है।

और सच्चाई से ही। इसका मतलब है कि उसका जीवन सुसमाचार संदेश और मसीह के व्यक्तित्व के अनुरूप था। और यूहन्ना कहता है कि हम अपनी गवाही भी जोड़ते हैं।

इसलिए, जब हम अपनी गवाही के बारे में सोचते हैं, तो सिर्फ यह मत सोचिए कि जब हम माइक्रोफ़ोन पर अपनी गवाही देंगे तो हम क्या कहेंगे। असली परीक्षा यह है कि दूसरे लोग हमें किस रूप में जानते हैं। और हम खुद को मूर्ख बना सकते हैं, और हम अक्सर ऐसा करते भी हैं।

हम कभी-कभी बहुत से लोगों को बेवकूफ़ बना सकते हैं, लेकिन आप हर समय हर किसी को बेवकूफ़ नहीं बना सकते। और जो लोग आपके सबसे नज़दीक रहते हैं, आप उन्हें कभी भी बेवकूफ़ नहीं बना सकते। क्योंकि उनके पास हमारा नंबर है।

और हमें ईश्वरीयता में न केवल अपने प्रति अपनी गवाही के अनुसार बढ़ना चाहिए, बल्कि दूसरों को हमारे बारे में पुष्टि करते या न करते हुए देखना चाहिए। और उम्मीद है कि हमारे पास ईश्वरीय मित्र होंगे जो हमें बताएंगे कि हमें उन क्षेत्रों में क्या सुनने की ज़रूरत है जहाँ हमारे पास कुछ कठिनाइयाँ हो सकती हैं या जहाँ हमें पश्चाताप करने, बदलने, बढ़ने की ज़रूरत हो सकती है। अलविदा, जॉन कहते हैं।

मुझे आपको लिखने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन मैं कलम और स्याही से लिखना पसंद नहीं करूँगा। मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही आपसे मिलूँगा, और हम आमने-सामने बात करेंगे। आपको शांति मिले।

मित्र आपको नमस्कार करते हैं, वे ईसाई होंगे जहाँ जॉन है, मित्रों को नमस्कार करते हैं, वे ईसाई होंगे जहाँ गयुस है, प्रत्येक का नाम लेकर। तो दो अवलोकन। नंबर एक, नए नियम के पत्र बड़े सत्य और चिंताओं के पठनीय विचलन हैं।

उनके पास लिखने के लिए बहुत कुछ था। जब आप यहूदा की पुस्तक पढ़ते हैं, तो वह कहते हैं, मैं आपको एक सामान्य उद्धार के बारे में लिखना चाहता था, लेकिन मुझे इसके बजाय आपको उस विश्वास के लिए ईमानदारी से संघर्ष करने के लिए आग्रह करना पड़ा जो एक बार संतों को दिया गया था। इसलिए हर नए नियम का पत्र, यह एक बड़ी सेटिंग को संदर्भित करता है जिसमें समय या स्थान नहीं था।

यह सब लंबे हाथ से लिखा गया था, यह एक स्कॉल में लिखा गया था। शायद प्रेरित काल के अंत तक, उन्होंने पुस्तक के रूप में लिखना शुरू कर दिया, लेकिन शायद नहीं, क्योंकि पहली सदी में उन्होंने जिसे कोडेक्स कहा था, वह उस चीज़ का आविष्कार था जिसे हम पुस्तक कहते हैं। उससे पहले, चीज़ें स्कॉल में होती थीं।

और इसलिए, एक स्कॉल पर केवल इतनी ही जगह थी, और किसी को लिखने के लिए केवल इतना ही समय था, और किसी के पास कागज़ पर कुछ लिखने की केवल इतनी ही क्षमता थी। इसलिए वह कहता है, मेरे पास लिखने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन मैं यह भी नहीं कह रहा हूँ, क्योंकि मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही आपसे मिलूँगा, और फिर हम आमने-सामने बात करेंगे। दूसरा, ध्यान दें कि प्राप्त और साझा किया गया सुसमाचार संदेश दूसरों के लिए आकर्षण पैदा करता है।

हम वहाँ मित्र शब्द देखते हैं, और यह स्नेह का शब्द है। प्राप्त सुसमाचार संदेश दूसरों की भलाई की इच्छा पैदा करता है। शांति का यही अर्थ है।

शांति मिले। ईश्वर का आशीर्वाद और लाभ, पुराने नियम का शांति। यह आपके साथ हो।

स्टार वार्स फिल्म की तरह बल आपके साथ नहीं है, बल्कि शालोम, भगवान का आशीर्वाद आपके साथ है। और फिर, दोस्त आपको बधाई देते हैं। सुसमाचार संदेश साझा उद्देश्य की भावना पैदा करता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में फ्रेंड्स नाम की एक पुरानी फिल्म भी थी, और यह इस समूह के लोगों के सामाजिक जीवन और संबंधों के बारे में थी। और यह शब्द ईसाई समुदाय पर लागू होने के लिए एक बढ़िया शब्द है। मसीह की उपस्थिति के प्रभाव, वे प्रिय हैं, वे परमेश्वर के प्रिय हैं, और परमेश्वर ने सुसमाचार संदेश के माध्यम से मसीह को उनके पास भेजा है, और उन्होंने विश्वास किया है।

और इसलिए उस संदेश के माध्यम से, परमेश्वर उनके साथ अपना निवास स्थान लेता है, और उस उपस्थिति का प्रभाव होता है। और ये प्रभाव पारस्परिक संबंधों को पोषित करते हैं। आप एक ईसाई हो सकते हैं जिसे बहुत सारे ईमेल मिलते हैं क्योंकि आप अन्य लोगों से जुड़े हुए हैं।

और यह कनेक्शन उस चीज़ का प्रतिकारक है जिसके बारे में हम सुनते हैं कि आज दुनिया भर में विशेष रूप से युवा लोग पीड़ित हैं, और यह सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है, और वह है चिंता और अकेलापन। और जितने अधिक लोग इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से दूसरों से जुड़े होते हैं, उनकी आत्मा उतनी ही बंजर होती है। और हम आत्महत्या और निराशा के बारे में भी पढ़ रहे हैं, और यह विशेष रूप से युवा किशोरों के हिस्से में है, जिसमें युवा पुरुषों की तुलना में युवा महिलाओं में अधिक घटनाएं होती हैं।

चिंता और अकेलापन। यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। लेकिन मसीह की उपस्थिति पारस्परिक संबंधों को पोषित करती है।

तो, लोगों के बीच कल्याण, मित्र, संपर्क, और यह केवल मानव आनंद के लिए नहीं है, यह ईश्वर की महिमा के लिए है, और यह अपने साथ सबसे गहरी संतुष्टि लेकर आता है जिसे मानव आत्मा इस धरती पर अनुभव कर सकती है। इसलिए मुझे खेद है कि हमें 3 जॉन की इस बहुत समृद्ध पुस्तक को देखने में इतनी जल्दी रुकना पड़ा, और हमारे अगले व्याख्यान में, हम 2 जॉन पर जाएंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट यारबोरो और जोहानिन एपिस्टल्स, बैलेंसिंग लाइफ इन क्राइस्ट पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 3, 3 जॉन, नोट्स टू गयुस, ए ट्रस्टेड फ्रेंड है।